



ମତେ ତାହାମାନି ନିମ୍ନ ବାକ୍ୟ ମାତ୍ରରେ
 ଚେକ୍ ଦାଖଲିଲା ଯାହାକି ଦାଖଲିଲା
 ଯଦି ଚେକ୍ଟିରୁ ନିମ୍ନ କାଟା ପାଠକା
 ଗୃହିଣିନି ଶୁଣି ପୁଅ ବୋଧକାମି
 କାନ୍ଧି ଓ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି-ଗାନ୍ଧି ଏକ ଶ୍ରେଣୀ-ପତ୍ରକା
 କୁ ଯେ-ବଦାବଦା-କାହିଁକି ଭୋଗ-
 ଦୁର୍ଲଭ-କାହିଁକି ଯାହୁଁନି । ତେଣୁ କେ
 ବିକ୍ରିତ ଦାଖଲିଲା ତାହାକି କାନ୍ଧି
 ଓ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି-କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି ଓ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି ; ତାହା-କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 ହୁଁକା-ତାହାମାନି କାନ୍ଧି ଓ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି-ଗାନ୍ଧି ଏକ ଶ୍ରେଣୀ-କାନ୍ଧି
 ତାହାମାନି । ବିକ୍ରିତ ଦାଖଲିଲା-ତାହାକି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 ଓ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ-ତାହାକି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି-ତାହାକି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 ତାହାକି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କେନ୍ଦ୍ରୀୟ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 ମ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

ଏତେ ମତେ କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
 କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି

କାନ୍ଧି କାନ୍ଧି
କାନ୍ଧି

BIHAR

INDIA

9 RS

₹
नवपचा



₹
नवपचा

NINE RUPEES BIHAR NINE RUPEES

वर्तमान समय में भारत:

कोई महत्त्वपूर्ण -

कारण नहीं है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -

1/10/21

वर्तमान समय में भारत का विकास - 2021

में बहुत तेजी से हो रहा है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -

वर्तमान समय में भारत का विकास -

में बहुत तेजी से हो रहा है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -

उपरोक्त कारणों से -

यह सच है -



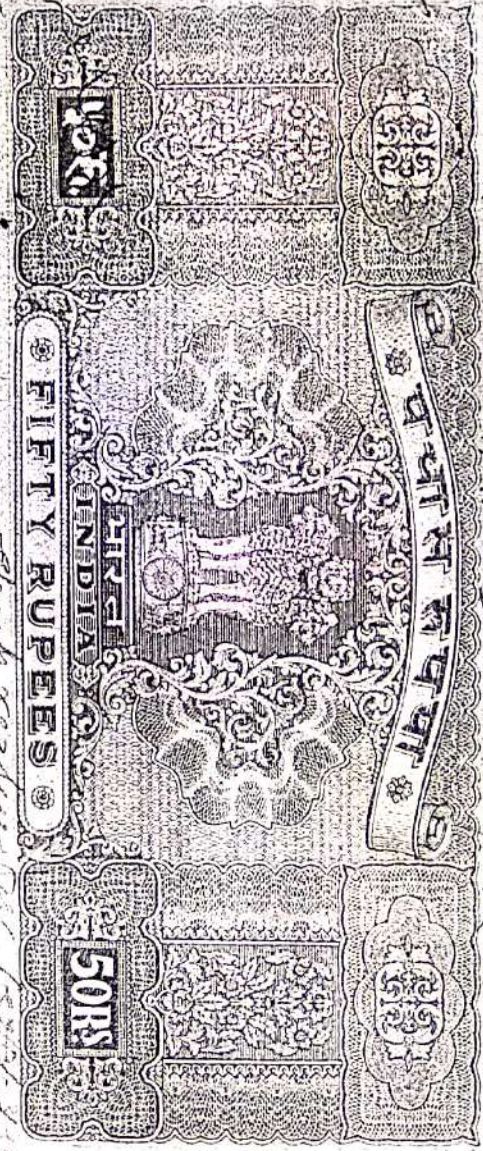
५०
 पचास
 पाँच पैसे

५०
 पचास
 पाँच पैसे

५०
 पचास
 पाँच पैसे

५०
 पचास
 पाँच पैसे

5560 9th Nov 2006 1/009 5560 50RS. 5928



Stamp returned in original

Handwritten notes in Hindi, including 'मि. 501' and other illegible text.

Handwritten notes in Hindi, including 'को' and 'र'.

Handwritten notes in Hindi, starting with 'आपको' and 'आपको'.

Handwritten notes in Hindi, starting with 'आपको' and 'आपको'.

Handwritten notes in Hindi, starting with 'आपको' and 'आपको'.

Handwritten notes in Hindi, starting with 'आपको' and 'आपको'.

Handwritten signature 'Kumar'.



गाम कालर नीड 2014 उरु लीरु क मर
उरु क मरुत 329 मरु 329 मरु क रैयत
क उरु मरु मरु लीरु 2014 उरु मरु
गाम कालर नीड 2014 उरु मरु
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत

उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत
उरु क मरु 329 मरु 329 मरु क रैयत

Kumar Anish

2015199



Stamp released on 15/11/2009
Stamp released on 15/11/2009

~~...~~
~~...~~
~~...~~
~~...~~
W-40

25/6/09

कोसाबा
वगणपति

कोसाबा
25/6/09
25/6/09
25/6/09
25/6/09
25/6/09

केवाला दाता: भी भी राम वाठरी पिता सह मंगवाध वाठरी
जाति वाठरी विधा खेती निवास गांधी कोरवाणा पास प्रगा
खेती निवास पिता धनवाड।

केवाला दाता: भी भी राम वाठरी पिता सह मंगवाध वाठरी
जाति वाठरी विधा खेती निवास गांधी कोरवाणा पास प्रगा
खेती निवास पिता धनवाड।

वकाफ पत्र केवाला दाता विधा खेती निवास गांधी कोरवाणा पास प्रगा
खेती निवास पिता धनवाड।

25/6/09

तपशील: पिता धनवाड मंगवाध वाठरी पिता सह मंगवाध वाठरी
जाति वाठरी विधा खेती निवास गांधी कोरवाणा पास प्रगा
खेती निवास पिता धनवाड।

INDIA

एक रुपया
पचास
नये पैसे



एक रुपया
पचास
नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

लोग नाम २२-६६ पांच हजार का
 छपाने के समय आप इकाई के
 के अन्दर मेरे निज कंधा में के इके पुनः
 मेरे निज के निज के खरीद के लागत
 माप इके आइई इकाई के लागत
 काप कापरे दालिया। उतर:- मेरा
 काप कापरे दालिया:- आपका इ इकाई के लागत खरीद
 लागत के घासी रात वाउरी पर मेरा काप कापरे

कोई काप कापरे
 २२/५१७

इके अन्दर मेरे निज कंधा में के इके पुनः
 मेरे निज के निज के खरीद के लागत
 माप इके आइई इकाई के लागत
 काप कापरे दालिया। उतर:- मेरा
 काप कापरे दालिया:- आपका इ इकाई के लागत खरीद
 लागत के घासी रात वाउरी पर मेरा काप कापरे



TWENTY FIVE PAISE

आपका नाम रविशंकर लाल जमीन में मर
 ठीकी सब कुछ दरबान में दरबानी करवाकर
 उठका कलाना मालगुजारी उदयल विराय
 को उल्लूक मालके जमीदार उदहार करवा
 को बराबर आदात देकर मेरा नाम रवारील लाल
 आप आपन नाम को दीक दीक बकला रकीक
 हांकीक करतै हु दाग उकरीक उर उकर उरवाकर करतै का
 मालके कोर मालके करीक करतै वंश परमेश में परम सुख
 को मोग दरबल करतै उठके मीगा मेरी उतरा विचारियों का एक
 या दावी - दाक मही - चलेगा करतै पर वाविल कोर नामकर
 कामका लागुगा

रविशंकर लाल
 उदहार

उल्लूक जमीन केरा रवारील उदयली अपक
 उठका का जमीन है रकमी उदर दाम संपोग दरवाकर या
 वेनामी मही रकमी है उकरा हीके पर मरि पुखा करतै,
 केकरवा करतै पर कोणुवन दावणीक हीके।

कान. उदय को कुल आपका नाम कामका कर
 आपनी ई-छा लया मुकी करत - कवा-वा के मर विकर
 पर के काल पर-लाके लिरव उदर जो उर उमाप र है
 इस के काल नि. १३२६ साल नारीवर १४ का फाड कहीनी
 १६६६ साल नारीवर २६ मुक
 उदर

पक्षी को दरलाल पडकर सुगाम

लिरव कमी उदयल लाल कुमार

मी. चक

रविशंकर लाल
 उदर

रविशंकर लाल

२०१७/१७